BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

00075

Term-End Examination

June, 2014

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-010 : EPISTEMOLOGY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note :

(i) Answer all five questions.

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answer to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. Examine the role of intellect and the senses in human knowing. *20*

OR

What role does perception play in the acquisition of knowledge ? Discuss the different definitions of perception in Indian Philosophy. *20*

2. Compare and contrast the theories of knowledge of Descartes and Locke. *20*

OR

Discuss the debate between Foundationalism and Coherentism as theories of justification. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

   (a) Give a critical account of the Indian (Nyaya) theory of inference. *10*

   (b) Explain Hume's theory of knowledge. *10*

   (c) Give an account of the constructivist view of perception. *10*

   (d) Discuss the influence of German Idealism on Critical Theory. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

   (a) What is Phenomenological Epistemology ? *5*

   (b) Discuss deduction as a kind of inference. *5*

   (c) What is the meaning of SABDA ? Mention various types of SABDA. *5*

   (d) Describe the metaphysical method of Aquinas. *5*

   (e) Give a short account of Feminist Epistemology. *5*

   (f) Distinguish between a priori and a posteriori knowledge. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Rationalism *4*

(b) Recent developments in Epistemology *4*

(c) Abhava *4*

(d) Phenomena *4*

(e) Realism *4*

(f) Pragmatism *4*

(g) Cogito Ergo Sum *4*

(h) Standpoint Theory *4*

बी.पी.वाई.-010

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट :

(i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।

---

1. मानव ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया में बुद्धि और इन्द्रियों की भूमिका का परीक्षण कीजिए । *20*

अथवा

ज्ञान प्राप्ति में प्रत्यक्ष की क्या भूमिका है ? भारतीय दर्शन में प्रस्तुत प्रत्यक्ष की विभिन्न परिभाषाओं का विवरण दीजिए । *20*

2. देकार्त और लॉक के ज्ञान के सिद्धांतों की तुलना करते हुए उनके मध्य विरोध को स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

प्रमाणीकरण के सिद्धांतों के रूप में आधारभूतवाद और संसक्ततावाद के मध्य विवाद की विवेचना कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) भारतीय दर्शन (न्याय दर्शन) के अनुमान के सिद्धांत का आलोचनात्मक विवरण दीजिए । *10*

(ख) ह्यूम के ज्ञान के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) प्रत्यक्ष के रचनावादी दृष्टिकोण का विवरण दीजिए । *10*

(घ) आलोचनात्मक सिद्धांत पर जर्मन प्रत्ययवाद के प्रभाव की विवेचना कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए ।

(क) संवृतिवादी ज्ञानमीमांसा क्या है ? *5*

(ख) अनुमान के प्रकार के रूप में निगमन की चर्चा कीजिए । *5*

(ग) शब्द प्रमाण का क्या अर्थ है ? विभिन्न प्रकार के शब्द प्रमाणों को बताइए । *5*

(घ) एक्वीनास की तत्त्वमीमांसीय विधि का वर्णन कीजिए । *5*

(ङ) स्त्रीवादी ज्ञानमीमांसा का संक्षिप्त विवरण दीजिए । *5*

(च) पूर्वानुभविक और उत्तरानुभविक ज्ञान के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) बुद्धिवाद *4*

(ख) ज्ञानमीमांसा के वर्तमान विकास *4*

(ग) अभाव *4*

(घ) परिघटना *4*

(ङ) यथार्थवाद *4*

(च) उपयोगितावाद *4*

(छ) मैं सोचता हूँ अतः मैं हूँ (कॉजिटो अरगो सम) *4*

(ज) दृष्टिकोण सिद्धांत (Standpoint theory) *4*